(c) According to DESU, there is no consumer in the said area who has not received the bill for the last three years.

(d) and (e) Does not arise in view of the reply to part (c) of the Question.

Licences for setting up industries in 'No Industry Districts'

794. SHRI KAMAL MORARKA: Will the Minister of INDUSTRY be pleased to state:

(a) what are the details of the industrial licences issued during January to June 1990 for setting up industries in 'No Industry Districts';

(b) what items will be manufactured in these industries; and

(c) what specific incentives are being given by Government for setting up industries in 'No Industry Districts'?

THE MINISTER OF INDUSTRY (SHRI AJIT SINGH): (a) and (b) Six Industrial Licences were granted for setting up industries in 'No Industry Districts' in the country during the period January, 1990 to June, 1990 for the manufacture of Rural Automatic Exchanges of upto 2000 lines capacity, Vanaspati, Edible Refined Oil, Oxygen gas/liquid, Cotton Waste Yarn, Cold Rolled pre-coated/uncoated formed profiles (excepting corrugated sheets).

Details, such as name and address of the undertaking, location, item(s) of manufacture and capacity in respect of all Industrial Licences issued are published regularly by the Indian Investment Centre in their 'Monthly Newsletter'. Copies of this publication are being sent to the Parliament Library regularly.

(c) The industrialisation of a particular district/districts in a State is primarily the responsibility of the State Government concerned. However, the Central Government supplement their efforts by offering certain incentives such as priority in licensing, concessional finance etc. for entrepreneurs setting up industries in centrally declared backward districts.

कर्मचारियों की हड़ताल के कारण उड़ान समय-सारणी में व्यवधान

795. श्री राम जेठमलानी :
सरदार जगजीत सिंह अरोड़ा :

क्या नागर विमानन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या इंडियन एयर लाइंस के कर्मचारियों की हड़ताल के कारण हाल में इंडियन एयरलाइंस की उड़ान समय-सारणी में व्यवधान आ गया था ;

(ख) क्या इंडियन एयरलाइंस के प्राधिकारियों ने इस हड़ताल को न होने देने के लिए कोई ऐहतियाती कदम उठाए थे; यदि हां, तो उनका ब्यौरा क्या है ;

(ग) क्या सरकार अब कर्मचारियों के प्रतिनिधियों के साथ बातचीत करके कर्मचारियों की समस्याओं को हल करने के लिए कदम उठाएगी; और

(घ) यदि हां, तो उनका ब्यौरा क्या है ?

ऊर्जा मंत्री साथ में नागर विमानन मंत्रालय का अतिरिक्त प्रभार (श्री आरिफ मोहम्मद खान) :(क) तीन संगठनों/संघों व 11-7-90 की रात्रि शिफ्टसे एक दिन की सांकेतिक हड़ताल का आह्वान किया था और दो संगठनों/संघों ने 11/12-7-90 की अर्द्धरात्रि से हड़ताल पर जाने का फैसला किया। तदनुसार, इंडियन एयरलाइंस को आकस्मिक योजना के रूप में उड़ानों का समय पुन: निर्धारित करना पड़ा और इस दृष्टि से कि यात्रियों को कम से कम असुविधा हो, बहुत कम सेवाएं परिचालित करनी पड़ी । इस प्रकार पुन: निर्धारित कुल 34 उड़ानों में से केवल 26 उड़ानें